Hindustan Hindi (10.02.2016)

जागरूकता

पलवल के गांव सहराला में मंगलवार को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को लेकर वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के एनएसएस विंग के स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली निकाली। ● हिन्दुस्तान

Hindustan Hindi (10.02.2016)

शोधकर्ता शोध कार्यों में गुणवत्ता लाएं:प्रो. कुमार

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने कहा कि शोधकर्ताओं को अपने कार्यों में गुणवत्ता लानी होगी। इसके लिए छात्र अध्ययन को प्राथमिकता दें।

प्रोफेसर कुमार यूनिवर्सिटी में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित शोधकर्ताओं के लिए शोधगंगा, साहित्यिक चोरी निरोधी सॉफ्टवेयर तथा अनुसंधान आचरण पर एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शोधकर्ता छात्र साहित्यिक चोरी पर अंकुश लगाने के लिए चोरी निरोधी सॉफ्टवेयर की उपयोगिता और शोध की गुणवत्ता पर बल दें। इस तरह की कार्यशालाएं सही शैक्षणिक आचरण के लिए बेहद जरूरी है। कार्यशाला में इनफ्लिबनेट सेंटर गांधीनगर के वैज्ञानिक मनोज कुमार ने शोधगंगा पर प्रकाश डाला।

डॉ. रमेश गौड़ ने शोधगंगा की खूबियों तथा साहित्यिक चोरी निरोधी सॉफ्टवेयर के उपयोग के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला

- शोधकर्ताओं के लिए अनुसंधान आचरण पर कार्यशाला आयोजित
- शोधकर्ता छात्र साहित्यिक चोरी पर अंकुश लगाने बल दें

Punjab Kesari (10.02.2016)

वाईएमसीए ने गांव में चलाया स्वच्छता अभियान

बल्लभगढ़, (सुरेश बंसल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा स्थानीय गांव सहरावक में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया, जहां विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का संदेश लेकर जागरूकता रैली भी निकाली। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एस के अग्रवाल की देखरेख में आयोजित एक दिवसीय स्वच्छता शिविर में लगभग 50 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एनएसएस अधिकारी डा. प्रदीप डिमरी, डा. सोनिया बंसल तथा डॉ. भास्कर नागर ने शिविर एवं जागरूकता रैली का संचालन किया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं एवं बच्चों को साफ-सफाई तथा स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई उन्होंने बताया कि छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर किसी प्रकार से स्वच्छता को दिनचर्या व आदत का हिस्सा बनाया जा सकता है। विद्यार्थियों ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आदर्श माता-पिता कहलाओ', 'बेटी है कुदरत का उपहार, मत करो इसका तिरस्कार'

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के एनएसएस विंग के विद्यार्थी कुलपति डा. दिनेश कुमार के साथ। (छाया : सुरेश बंसल)

व 'जीने का भी उसे अधिकार, उसे चाहिए बस आपका प्यार' जैसे नारों के साथ गांव में रैली निकाली और लैंगिक समानता का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने गांव के राजकीय विद्यालय में स्वच्छता और पढ़ाई के महत्व के बारे पर बच्चों से चर्चा भी की। इस दौरान बच्चों को पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी भी दिखाई गई। शिविर के दौरान विद्यार्थी संयोजक कपिल चावलिया, दिव्या, प्रियंका, साहिल बंसल व अंशुल बंसल ने विद्यार्थियों के दल की अगुवाई की। शिविर से लौटकर विद्यार्थियों ने गांव में किये कार्यों के बारे कुलपति को अवगत करवाया तथा अपने अनुभव साझे किये। कुलपति डा. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छता अभियान मिशन के अंतर्गत पांच गांव नामत: अलीपुर सिकारगाह, सहरावक, तिलोरी खादर, राजपुर तथा तेजपुर कलां को गोद लिया गया है। गांव सहरावक में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय की सामाजिक सरोकार से जुड़ी मुहिम का ही एक हिस्सा है।

Punjab Kesari-Delhi (10.02.2016)

'स्वच्छता को बनाएं आदत'

स्वच्छता अभियान में 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' का दिया संदेश

■ अभियान में 50 बच्चों ने की साफ- सफाई

फरीदाबाद, 9 फरवरी (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा स्थानीय गांव सहरावक में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। जहां विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का संदेश लेकर जागरूकता रैली भी निकाली।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एस के अग्रवाल की देखरेख में आयोजित एक दिवसीय स्वच्छता शिविर में लगभग 50 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एनएसएस अधिकारी डॉ प्रदीप डिमरी, डा. सोनिया बंसल तथा डा. भास्कर नागर ने शिविर एवं जागरूकता रैली का संचालन किया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं एवं बच्चों को साफ-सफाई तथा स्वच्छता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छोटी-छोटी बातों

सफाई अभियान चलाते वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के छात्र।

को ध्यान में रखकर किसी प्रकार से स्वच्छता को दिनचर्या व आदत का हिस्सा बनाया जा सकता है।

शिविर के दौरान विद्यार्थी संयोजक कपिल चावलिया, दिव्या, प्रियंका, साहिल बंसल व अंशुल बंसल ने विद्यार्थियों के दल की अगुवाई की। शिविर से लौटकर विद्यार्थियों ने गांव में किए कार्यों के बारे कुलपति को अवगत करवाया और अपने अनुभव सांझे किए।

कुलपति डा. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छता अभियान मिशन के के अंतर्गत पांच गांव नामत: अलीपुर सिकारगाह, सहरावक, तिलोरी खादर, राजपुर तथा तेजपुर कलां को गोद लिया गया है।

गांव सहरावक में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय की सामाजिक सरोकार से जुड़ी मुहिम का ही एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता तथा स्वच्छता की भावना को समाज के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में ऐसे अभियान काफी लाभकारी होते हैं।

Navbharat Times (10.02.2016)

फटाफट खबरें

चलाया अभियान

■ **वस, फरीदाबाद :** वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद के एनएसएस प्रकोष्ठ की ओर से स्थानीय गांव सहरावक में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। जहां स्टूडेंट्स ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश लेकर जागरूकता रैली भी निकाली। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एस के अग्रवाल की देखरेख में आयोजित एक दिवसीय स्वच्छता शिविर में लगभग 50 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। एनएसएस अधिकारी डॉ प्रदीप डिमरी, डॉ सोनिया बंसल तथा डॉ भास्कर नागर ने शिविर एवं जागरूकता रैली का संचालन किया। इस दौरान बच्चों को पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी भी दिखाई गई।

Amar Ujala (10.02.2016)

फरीदाबाद नई दिल्ली | बुधवार | 10 फरवरी 2016

साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर पर चर्चा

फरीदाबाद (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा शोधकर्ताओं के लिए शोधगंगा, साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर तथा अनुसंधान आचरण को लेकर कार्यशाला का आयोजन हुआ।

कार्यशाला में विशेषज्ञों तथा शोधकर्ताओं ने साहित्यिक चोरी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कार्यशाला का उदघाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। इस मौके पर डीन फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग प्रो. संदीप ग्रोवर तथा डॉ. तिलक राज भी उपस्थित थे। इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर के वैज्ञानिक मनोज कुमार तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लाइब्रेरियन डॉ. रमेश सी गौड़ मुख्य वक्ता रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने साहित्यिक चोरी पर अंकुश लगाने के लिए साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर की उपयोगिता तथा शोध की गुणवत्ता पर बल दिया। संयोजन डॉ. मनीषा गर्ग, डॉ. राजीव शाह और पीएन वाजपेयी ने किया। डॉ. हरि ओम ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Dainik Bhaskar (10.02.2016)

शोध कार्यों में गुणवत्ता लाए शोधकर्ता : दिनेश कुमार

फरीदाबाद| वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा शोधकर्ताओं के लिए शोधगंगा, साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर व अनुसंधान आचरण को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों व शोधकर्ताओं ने साहित्यिक चोरी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। आए हुए विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर डीन फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग प्रो. संदीप ग्रोवर व डॉ. तिलक राज भी उपस्थित थे। कार्यशाला में इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर के वैज्ञानिक मनोज कुमार व जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लाइब्रेरियन डा. रमेश सी गौड़ मुख्य वक्ता रहे। प्रो. दिनेश कुमार ने साहित्यिक चोरी पर अंकुश लगाने के लिए साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर की उपयोगिता व शोध की गुणवत्ता पर बल दिया। उन्होंने कहा इस तरह की कार्यशालाएं छात्रों, शोधकर्ताओं और फैकल्टी सदस्यों के सही शैक्षणिक आचरण के लिए बेहद जरूरी है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता मनोज कुमार ने शोधगंगा पर प्रकाश डाला व शोधगंगा पर थीसिस प्रस्तुत करने, इसके प्रमाणीकरण, बेकअप आदि के यूनिविर्सटी समन्वयक भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। डा. गौड़ ने शोधगंगा की खूबियों व साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर के उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने शोध लेखन संबंधी आचरण एवं मानदंडों के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके पर साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर के उपयोग पर प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। कार्यशाला का संयोजन डा. मनीषा गर्ग, डा. राजीव साहा और पीएन वाजपेयी ने किया। कार्यक्रम के अंत में यूनिवर्सिटी के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ के निदेशक डा. हरि ओम ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद किया।

Punjab Kesari (10.02.2016)

शोध कार्यों में गुणवत्ता लाएं शोधकर्ता

फरीदाबाद, (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा शोधकर्ताओं के लिए शोधगंगा, साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर तथा अनुसंधान आचरण को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों तथा शोधकर्ताओं ने साहित्यिक चोरी से

कार्यशाला

शोध से जुड़े मुद्दों पर एक दिवसीय जागरुकता कार्यशाला

संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया तथा कार्यशाला के विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया।

Local Newspapers (10.02.2016)

वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने गांव सहरावक में चलाया स्वच्छता अभियान

विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को दी स्वच्छता व साफ-सफाई की जानकारी

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा स्थानीय गांव सहरावक में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया, जहां विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का संदेश लेकर जागरूकता रैली भी निकाली। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एस के अग्रवाल की देखरेख में आयोजित एक दिवसीय स्वच्छता शिविर में लगभग 50 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एनएसएस अधिकारी डॉ प्रदीप डिमरी, डॉ सोनिया बंसल तथा डॉ भास्कर नागर ने शिविर एवं जागरूकता रैली का संचालन किया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं एवं बच्चों को साफ-सफाई तथा स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई उन्होंने बताया कि छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर किसी प्रकार से स्वच्छता को दिनचर्या व आदत का

हिस्सा बनाया जा सकता है। विद्यार्थियों ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आदर्श माता-पिता कहलाओ', 'बेटी है कुदरत का उपहार, मत करो इसका तिरस्कार' व 'जीने का भी उसे अधिकार, उसे चाहिए बस आपका प्यार' जैसे नारों के साथ गांव में रैली निकाली और लैंगिक समानता का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने गांव के राजकीय विद्यालय में स्वच्छता और पढ़ाई के महत्व के बारे पर बच्चों से चर्चा भी की। इस दौरान बच्चों को पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी भी दिखाई गई। शिविर के दौरान विद्यार्थी संयोजक कपिल चावलिया, दिव्या, प्रियंका, साहिल बंसल व अंशुल बंसल ने विद्यार्थियों के दल की अगुवाई की। शिविर से लौटकर विद्यार्थियों ने गांव में किये कार्यों के बारे कुलपति को अवगत करवाया तथा अपने अनुभव साझे किये। कुलपति डॉ दिनेश कुमारे ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छता अभियान मिशन के के अंतर्गत पांच गांव नामतः अलीपुर सिकारगाह, सहरावक, तिलोरी खादर, राजपुर तथा तेजपुर कलां को गोद लिया गया है। गांव सहरावक में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय की सामाजिक सरोकार से जुड़ी मुहिम का ही एक हिस्सा है।

- लैंगिक समानता तथा स्वच्छता की भावना को समाज के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में ऐसे अभियान काफी लाभकारी होते है।
- आगामी दिनों में विश्वविद्यालय इन गांवों में और भी ऐसी गतिविधियों का आयोजन करेगा।

वाईएमसीए ने गांव सहरावक में चलाया स्वच्छता अभियान

फरीदाबाद 9 फरवरी, सत्यजय टाईम्स/देवेन्द्र माथुर। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा स्थानीय गांव सहरावक में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया, जहां विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओइ का संदेश लेकर जागरूकता रैली भी निकाली। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एस के अग्रवाल की देखरेख में आयोजित एक दिवसीय स्वच्छता शिविर में लगभग 50 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एनएसएस अधिकारी डॉ प्रदीप डिमरी, डॉ सोनिया बंसल तथा डॉ भास्कर नागर ने शिविर एवं जागरूकता रैली का संचालन किया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं एवं बच्चों को साफ-सफाई तथा स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई उन्होंने बताया कि छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर किसी प्रकार से स्वच्छता को दिनचर्या व आदत का हिस्सा बनाया जा सकता है।

विद्यार्थियों ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आदर्श माता-पिता कहलाओ, 'बेटी है कुदरत का उपहार, मत करो इसका तिरस्कार व

'जीने का भी उसे अधिकार, उसे चाहिए बस आपका प्यारइ जैसे नारों के साथ गांव में रैली निकाली और लैंगिक समानता का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने गांव के राजकीय विद्यालय में स्वच्छता और पढ़ाई के महत्व के बारे पर बच्चों से चर्चा भी की।

इस दौरान बच्चों को पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी भी दिखाई गई। शिविर के दौरान विद्यार्थी संयोजक कपिल चावलिया, दिव्या, प्रियंका, साहिल बंसल व अंशुल बंसल ने विद्यार्थियों के दल की अगुवाई की। शिविर से लौटकर विद्यार्थियों ने गांव में किये कार्यों के बारे कुलपति को अवगत करवाया तथा अपने अनुभव साझे किये। कुलपति डॉ दिनेश कुमारे ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छता अभियान मिशन के के अंतर्गत पांच गांव नामतः अलीपुर सिकारगाह, सहरावक, तिलोरी खादर, राजपुर तथा तेजपुर कलां को गोद लिया गया है। गांव सहरावक में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय की सामाजिक सरोकार से जुड़ी मुहिम का ही एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता तथा स्वच्छता की भावना को समाज के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में ऐसे अभियान काफी लाभकारी होते है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में विश्वविद्यालय इन गांवों में और भी ऐसी गतिविधियों का आयोजन करेगा।

शोध कार्यों में गुणवत्ता लाये शोधकर्ता : प्रो दिनेश कुमार

फरीदाबाद 9 फरवरी, सत्यजय टाईम्स/सुमित कुमार। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा शोधकताओं के लिए शोधगंगा, साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर तथा अनुसंधान आचरण को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों तथा शोधकताओं ने साहित्यिक चोरी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने किया तथा कार्यशाला के विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डीन फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग प्रो. संदीप ग्रोवर तथा डॉ तिलक राज भी उपस्थित थे। कार्यशाला में इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर के वैज्ञानिक श्री मनोज कुमार तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लाइब्रेरियन डॉ रमेश सी गौड़ मुख्य वक्ता रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने साहित्यिक चोरी पर अंकुश लगाने के लिए साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर की उपयोगिता तथा शोध की गुणवत्ता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों, शोधकताओं और फैकल्टी सदस्यों के सही शैक्षणिक आचरण के लिए बेहद जरूरी है।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता मनोज कुमार ने शोधगंगा पर प्रकाश डाला तथा शोधगंगा पर थीसिस प्रस्तुत करने, इसके प्रमाणीकरण, बैकअप इत्यादि के साथ-साथ विश्वविद्यालय समन्वयक भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ

रमेश गौड़ ने शोधगंगा की खूबियों तथा साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर के उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने शोध लेखन संबंधी आचरण एवं मानदंडों के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर साहित्यिक चोरी निरोधी साफ्टवेयर के उपयोग पर प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। कार्यशाला का संयोजन डॉ मनीषा गर्ग, डॉ राजीव साहा और पी एन वाजपेयी ने किया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ हरि ओम ने समापन उद्गार रखे तथा सभी वक्ताओं का धन्यवाद किया।

आदिबद्री में आज मनाया जायेगा सरस्वती महोत्सव

चंडीगढ 9 फरवरी,सत्यजय टाईम्स। हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड द्वारा आदिबद्री में 10 फरवरी को मनाए जाने वाले सरस्वती महोत्सव में पर्यटन मंत्री रामबिलास शर्मा मुख्य अतिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा के अध्यक्ष श्री कंवरपाल करेंगे। सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया कि 10 फरवरी को सुबह 11 बजे प्रदर्शनी का शुभारंभ होगा और दोपहर एक बजे मुस्तफाबाद के जनता महाविद्यालय में सरस्वती महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरस्वती महोत्सव में राज्य मंत्री श्री करणदेव कंबोज व नायब सिंह सैनी,सांसद रतनलाल कटारिया, मुख्य संसदीय सचिव श्री श्याम सिंह राणा, विधायक श्री बलवंत सिंह व घनश्याम दास, सरस्वती नदी शोध संस्थान जगाधरी के संस्थापक अध्यक्ष श्री दर्शन लाल जैन भी विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि 11 फरवरी को राजकीय महिला महाविद्यालय पंचकुला में हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड द्वारा सरस्वती सेमीनार आयोजित किया जाएगा,जिसमें पर्यटन मंत्री श्री रामबिलास शर्मा मुख्य अतिथि होंगे।